MODEL QUESTION PAPER - 01

कक्षा—नौवीं
हिंदी ('ए' कोर्स)
(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 90**

खंड—क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5**

ज़िंदगी के असली मज़े उनके लिए नहीं हैं जो फूलों की छाँह के नीचे खेलते और सोते हैं। बल्कि फूलों की छाँह के नीचे अगर जीवन का कोई स्वाद छिपा है तो वह भी उन्हीं के लिए है जो दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं, जिनका कंठ सूखा हुआ, ओंठ फटे हुए और सारा बदन पसीने से तर है। पानी में जो अमृत वाला तत्व है, उसे वह जानता है जो धूप में खूब सूख चुका है, वह नहीं जो रेगिस्तान में कभी पड़ा ही नहीं है। सुख देने वाली चीजें पहले भी थीं और अब भी हैं। फ़र्क यह है कि जो सुखों का मूल्य पहले चुकाते हैं और उनके मज़े बाद में लेते हैं उन्हें स्वाद अधिक मिलता है। उन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है। जो लोग पाँव भीगने के खौफ़ से पानी से बचते रहते हैं, समुद्र में डूब जाने का खतरा उन्हीं के लिए है। लहरों में तैरने का जिन्हें अभ्यास है, वे मोती लेकर बाहर आएँगे।

(i) फूलों की छाँह के नीचे खेलने और सोने वाले लोग कैसे होते हैं?
(क) परिश्रमी **(ख) आरामपसंद**
(ग) फूल बेचने वाले **(घ) अहंकारी।**

(ii) जीवन का स्वाद किसमें छिपा है?
(क) परिश्रम में **(ख) आराम में**
(ग) उपवास में **(घ) खाने-पीने में।**

(iii) 'रेगिस्तान में पड़ने' से यहाँ क्या तात्पर्य है?
(क) रेगिस्तान की यात्रा करना **(ख) कठिनाइयों का सामना करना**
(ग) रेगिस्तान में रहना **(घ) सदा आनंद मनाना।**

(iv) समुद्र से मोती कौन ला सकता है?
(क) जो समुद्र में डुबकी लगा सकता है **(ख) जो समुद्र के किनारे घूमता है**
(ग) जो तैरना नहीं जानता है **(घ) जो समुद्र में डूब जाता है।**

(v) इस गद्यांश का शीर्षक होगा—
(क) ज़िंदगी का आनंद **(ख) परिश्रम का फल**
(ग) कुशल तैराक **(घ) मोती की तलाश।**

JSUNIL TUTORIAL

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

प्राय: जब भी पड़ोसी से खटपट होती है तो इसलिए कि हम आवश्यकता से अधिक पड़ोसी के व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक जीवन में हस्तक्षेप करने लगते हैं। हम भूल जाते हैं कि किसी को भी अपने व्यक्तिगत जीवन में किसी की रोक-टोक और हस्तक्षेप अच्छा नहीं लगता। पड़ोसी के साथ कभी-कभी तब भी अवरोध पैदा हो जाते हैं जब हम आवश्यकता से अधिक उससे अपेक्षा करने लगते हैं। बात नमक-चीनी के लेने-देने से आरंभ होती है तो स्कूटर और कार तक माँगने की गुस्ताखी हम कर बैठते हैं। ध्यान रखना चाहिए कि जब तक बहुत जरूरी न हो, पड़ोसी से कोई चीज़ माँगने की नौबत ही न आए। आपको परेशानी से पड़ा देख पड़ोसी खुद ही आगे आ जाएगा। पड़ोसियों से निबाह करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि बच्चों को नियंत्रण में रखें। आमतौर से बच्चों में जाने-अनजाने छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते हैं और बात बड़ों के बीच सिर फुटौवल तक जा पहुँचती है। इसलिए पड़ोसी के बगीचे से फल-फूल तोड़ने, उसके घर में उधम मचाने से बच्चों पर सख्ती से रोक लगाएँ। भूलकर भी पड़ोसी के बच्चे पर हाथ न उठाएँ, अन्यथा संबंधों में कड़वाहट आते देर न लगेगी।

(*i*) पड़ोसी से खटपट का मुख्य कारण है, उसके—
(क) घर जाना (ख) व्यक्तिगत कार्यों में टाँग अड़ाना
(ग) कहने में आना (घ) साथ घूमना-फिरना।

(*ii*) पड़ोसी से आवश्यकता से अधिक अपेक्षा करने से क्या उत्पन्न होता है?
(क) विरोध (ख) निरोग
(ग) अवरोध (घ) अवरोह।

(*iii*) पड़ोसी के प्रति क्या ध्यान रखना आवश्यक है?
(क) उससे कुछ माँगना न पड़े (ख) उसके घर आने-जाने वाले कौन हैं
(ग) वह क्या खाता-पीता है (घ) उसकी आमदनी कितनी है।

(*iv*) पड़ोसी के बच्चे के प्रति क्या कभी नहीं करना चाहिए?
(क) उन पर हाथ नहीं उठाना चाहिए (ख) उनसे अशिष्ट व्यवहार नहीं करना चाहिए
(ग) उन्हें कभी उपहार नहीं देना चाहिए (घ) उन्हें उधम मचाने से रोकना नहीं चाहिए।

(*v*) इस गद्यांश का शीर्षक होगा—
(क) पड़ोसी धर्म (ख) आदर्श पड़ोसी
(ग) पड़ोसी का चुनाव (घ) पड़ोस का वातावरण।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए—

1 × 5 = 5

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे हैं,
जागृत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं?
हैं हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय।
फिर एक बार हे विश्व तुम, गाओ भारत की विजय॥

कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा,
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।
बतलाओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा,
पर शरणागत हुआ कहाँ कब हमें न प्यारा!
बस युद्ध-मात्र को छोड़कर कहाँ नहीं हैं हम सदय!
फिर एक बार हे विश्व तुम, गाओ भारत की विजय!

(i) 'पहले आगे हैं' से क्या तात्पर्य है?
(क) सोकर उठे हैं (ख) होश में आए हैं
(ग) ज्ञान प्राप्त किया है (घ) शक्ति प्राप्त की है।

(ii) हमने किसे अपने पैरों से कुचला है?
(क) शत्रुओं को (ख) जानवरों को
(ग) काँटों को (घ) कष्टों को।

(iii) भारतीयों को कौन प्रिय है?
(क) अपना मित्र (ख) सुरपति
(ग) शरणागत (घ) सोना।

(iv) विश्व को हमारा किस गुण के कारण गुणगान करना चाहिए?
(क) हमारी संपदा (ख) हमारी सदयता
(ग) हमारी वीरता (घ) हमारी संस्कृति के कारण।

(v) सुरपति का समास-विग्रह है—
(क) सुरों का पती (ख) सुर के पिता
(ग) सुरों के पति (घ) सुर और पति।

4. काव्यांश के लिए उत्तर के रूप में सही विकल्प छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम-स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन संबल।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर।
सच्चा प्रेम वही है जिसकी—
तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर।

JSUNIL TUTORIAL

(*i*) यह काव्यांश हमें किस धार्मिक ग्रंथ से प्रेरित लगता है?
(क) महापुराण से (ख) रामचरितमानस से
(ग) गीता से (घ) वेदों से।

(*ii*) कवि ने मृत्यु के प्रति कैसे बने रहने को कहा है?
(क) डरपोक (ख) बहादुर
(ग) निर्भय (घ) साहसी।

(*iii*) मृत्यु को क्या कहा है?
(क) विश्राम-स्थल (ख) जीवन संबल
(ग) दुखदायी (घ) भययुक्त।

(*iv*) कवि ने मृत्यु की तुलना किससे की है?
(क) वस्त्र से (ख) जीवन से
(ग) आत्मा से (घ) सरिता से।

(*v*) 'काया रूपी वस्त्र' में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?
(क) अनुप्रास (ख) रूपक
(ग) उपमा (घ) मानवीकरण।

खंड—ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'नगण्य' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'सर' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'घुड़की' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'सरा' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3
(क) 'स्वर्गगत' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।
(ख) 'गगन को चूमने वाला' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।
(ग) 'अनुरूप' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4
(क) व्यायाम से शरीर पुष्ट होता है। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ख) वह कल यहाँ से चला जाएगा। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ग) तुम आ गए हो। (विस्मयवाचक वाक्य में बदलिए)
(घ) राहुल ने उसका काम नहीं किया। (संदेहवाचक वाक्य में बदलिए)

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4
(क) पड़ी थी बिजली-सी विकराल।
(ख) दुख हैं जीवन-तरु के मूल।
(ग) सिर फट गया उसका वहीं, मानो अरुण रंग का घड़ा।
(घ) प्राची का मुख तो देखो।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यावतरण पर आधारित प्रश्नों से उत्तर चुनकर लिखिए— 1 + 2 + 2 = 5

मैं जब यह कविता पढ़ता हूँ तब मेरे सामने श्रीनिकेतन के तितल्ले पर की वह घटना प्रत्यक्ष-सी हो जाती है। वह आँख मूँदकर अपरिसीम आनंद, वह 'मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन' मूर्तिमान हो जाता है। उस दिन मेरे लिए वह एक छोटी-सी घटना थी, आज वह विश्व की अनेक महिमाशाली घटनाओं की श्रेणी में बैठ गई है। एक आश्चर्य की बात और इस प्रसंग में उल्लेख की जा सकती है।

(*i*) गद्यांश की शैली क्या है?

(*ii*) लेखक के सामने किसका आत्मनिवेदन मूर्तिमान हो जाता है?

(*iii*) कविता पढ़ते हुए लेखक को किसकी प्राप्ति होती है?

अथवा

टोपी आठ आने में मिल जाती है और जूते उस ज़माने में भी पाँच रुपये से कम में क्या मिलते होंगे। जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं। तुम भी जूते और टोपी के आनुपातिक मूल्य के मारे गए थे। यह विडंबना मुझे इतनी तीव्रता से पहले कभी नहीं चुभी, जितनी आज चुभ रही है। जब मैं तुम्हारा फटा जूता देख रहा हूँ।

(*i*) जूते किस ज़माने में लगभग पाँच रुपये के मिलते होंगे?

(*ii*) एक जूते पर पच्चीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं कैसे?

(*iii*) लेखक को कौन-सी विडंबना चुभ रही है?

11. संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) गुरुदेव ने शांति-निकेतन छोड़ने का मन क्यों बनाया?

(*ii*) कवि पर कुत्ते से संबंधित कविता पढ़कर क्या प्रतिक्रिया हुई थी?

(*iii*) लेखिका उर्दू-ज़बरसी क्यों नहीं सीख पाई?

(*iv*) बालिका मैना के चरित्र की विशेषताएँ क्यों अपनाना चाहेंगे?

(*v*) लेखक के विचार में प्रेमचंद का जूता कैसे फटा होगा?

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 5

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(क) पेड़ों ने अपने रूप में क्या परिवर्तन किया?

(ख) पेड़ झुककर क्या देखने लगे?

(ग) नदी को कवि ने कैसे चित्रित किया है?

अथवा

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी किताबों को

JSUNIL TUTORIAL

क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है क्या दुनिया में?

(क) कवि की दृष्टि में बच्चों के लिए क्या करना आवश्यक है?
(ख) बच्चों की प्रिय वस्तुओं के बारे में कवि क्या जानना चाहता है?
(ग) एकाएक क्या नष्ट हो गया प्रतीत होता है?

13. संक्षिप्त उत्तर दीजिए— $2 \times 5 = 10$

(*i*) कवि ने गाँव को 'जन मन हरता' क्यों कहा है?
(*ii*) कवि ने प्राकृति का मानवीकरण किया है, कैसे?
(*iii*) सरसों को सयानी कहकर कवि क्या कहना चाहता है?
(*iv*) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?
(*v*) कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं आई?

14. गरीबी से बड़ा अभिशाप कोई नहीं हो सकता है पर विडंबना है कि हमारे देश की जनसंख्या का बहुत बड़ा हिस्सा इसी से अभिशप्त है। माटी वाली का कहना कि 'भूख मीठी कि भोजन मीठा' क्या व्यक्त करता है? क्या उसके कथन से सहमत हैं? ऐसे लोगों के लिए समाज और सरकार के द्वारा क्या किया जाना चाहिए? 5

खंड—घ

15. किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) प्रदूषण की समस्या
(ख) जीवन में शिक्षा का महत्त्व
(ग) गंगा नदी।

16. आपके क्षेत्र में बहुत चोरियाँ हो रही हैं। इसकी शिकायत का पत्र पुलिस अधीक्षक को लिखकर उचित व्यवस्था करने का अनुरोध कीजिए। 5

17. दिल्ली की गंदी बस्तियों के सर्वेक्षण के लिए गठित समिति द्वारा तैयार किया प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए। 5

———————

MODEL QUESTION PAPER - 02

कक्षा—नौवीं
हिंदी ('ए' कोर्स)
(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 90**

खंड—क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

अच्छा नागरिक बनने के लिए भारत के प्राचीन विचारकों ने कुछ नियमों का प्रावधान किया है। इन नियमों में वाणी और व्यवहार की शुद्धि, कर्तव्य और अधिकार का समुचित निर्वाह, शुद्धतम पारस्परिक सद्भाव, सहयोग और सेवा की भावना आदि नियम बहुत महत्त्वपूर्ण माने गए हैं। ये सभी नियम यदि एक व्यक्ति के चारित्रिक गुणों के रूप में भी अनिवार्य माने जाएँ तो उसका अपना जीवन भी सुखी और आनंदमय हो सकता है। इन सभी गुणों का विकास एक बालक में यदि उसकी बाल्यावस्था से ही किया जाए तो वह अपने देश का श्रेष्ठ नागरिक बन सकता है। इन गुणों के कारण वह अपने परिवार, आस-पड़ोस, विद्यालय में अपने सहपाठियों एवं अध्यापकों के प्रति यथोचित व्यवहार कर सकेगा। वाणी एवं व्यवहार की मधुरता सभी के लिए सुखदायक होती है, समाज में हार्दिक सद्भाव की वृद्धि करती है, किंतु अहंकारहीन व्यक्ति ही स्निग्ध वाणी और शिष्ट व्यवहार का प्रयोग कर सकता है। अहंकारी और दंभी व्यक्ति सदा अशिष्ट वाणी और व्यवहार का अभ्यासी होता है। जिसका परिणाम यह होता है कि ऐसे आदमी के व्यवहार से समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण नहीं बनता। जिस प्रकार एक व्यक्ति समाज में रहकर अपने व्यवहार से कर्तव्य और अधिकार के प्रति सजग रहता है, उसी तरह देश के प्रति भी उसका व्यवहार कर्तव्य और अधिकार की भावना से भावित रहना चाहिए। उसका कर्तव्य हो जाता है कि न तो वह स्वयं कोई ऐसा काम करे और न ही दूसरों को करने दे, जिससे देश के सम्मान, संपत्ति और स्वाभिमान को ठेस लगे।

(*i*) अच्छा नागरिक बनने के गुणों का विकास मनुष्य में कब से करना चाहिए?
(क) बाल्यावस्था से (ख) किशोरावस्था से
(ग) युवावस्था से (घ) किसी भी आयु से।

(*ii*) किसकी मधुरता सबके लिए सुखदायी होती है?
(क) खान-पान की (ख) पहनने-ओढ़ने की
(ग) वाणी-व्यवहार की (घ) घर-बाहर की।

(*iii*) कैसा व्यक्ति स्निग्ध वाणी और शिष्ट व्यवहार का प्रयोग करता है?
(क) अवसरवादी (ख) अहंकारी
(ग) विनीत (घ) अलमस्त।

(*iv*) 'भावित' का अर्थ है—
(क) मिला हुआ (ख) खरीदा हुआ
(ग) लिया हुआ (घ) दिया हुआ।

JSUNIL TUTORIAL

(v) इस गद्यांश का शीर्षक होगा—

(क) अधिकार और कर्तव्य (ख) अच्छा नागरिक

(ग) आदर्श जीवन (घ) सामाजिक जीवन।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों से उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

महात्मा गांधी कहा करते थे, "शिक्षा ही जीवन है।" इसके समक्ष सभी धन फीके हैं। विद्या के बिना मनुष्य कंगाल बन जाता है, क्योंकि विद्या का ही प्रकाश जीवन को आलोकित करता है। विद्याध्ययन का समय बाल्यकाल से आरंभ होकर युवावस्था तक रहता है। यों तो मनुष्य जीवन-भर कुछ-न-कुछ सीखता रहता है, किंतु नियमित अध्ययन के लिए यही अवस्था उपयुक्त है। मनुष्य की उन्नति के लिए विद्यार्थी जीवन एक महत्त्वपूर्ण अवस्था है। इस काल में वे जो कुछ सीख पाते हैं, वह जीवन-पर्यंत उनकी सहायता करता है। इसके अभाव में मनुष्य का विकास नहीं हो सकता। जिस बालक को यह जीवन बिताने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ वह जीवन के वास्तविक सुख से वंचित रह जाता है। यह वह अवस्था है जिसमें अच्छे नागरिकों का निर्माण होता है। यह वह जीवन है जिसमें मनुष्य के मस्तिष्क और आत्मा के विकास का सूत्रपात होता है। यह वह अमूल्य समय है जो मानव-जीवन में सभ्यता और संस्कृति का बीजारोपण करता है। इस जीवन की समता मानव-जीवन का कोई अन्य भाग नहीं कर सकता।

(i) सब धन किसके समक्ष फीके हैं?

(क) भोजन (ख) वस्त्र

(ग) शिक्षा (घ) मकान।

(ii) जीवन को किसका प्रकाश आलोकित करता है?

(क) धन (ख) संतान

(ग) विद्या (घ) पद।

(iii) मनुष्य की उन्नति के लिए कौन-सी अवस्था महत्त्वपूर्ण है?

(क) गृहस्थ (ख) विद्याध्ययन

(ग) वैराग्य (घ) वानप्रस्थ।

(iv) किस जीवन की समता मानव-जीवन का अन्य कोई भाग नहीं कर सकता?

(क) विद्यार्थी (ख) गृहस्थ

(ग) संन्यासी (घ) राजसी।

(v) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा—

(क) विद्यार्थी जीवन (ख) विद्याध्ययन

(ग) सुखी जीवन (घ) मनुष्यता का विकास।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं।
रह भरोसे भाग्य के दुख भोग पछताते नहीं॥
काम कितना ही कठिन हो किंतु उकताते नहीं।
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं॥

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

हो गए इक आन में उनके बुरे दिन भी भले।
सब जगह सब काल में वे ही मिले फूले-फले॥
काम को आरंभ करके यों नहीं जो छोड़ते।
सामना करके नहीं जो भूलकर मुँह मोड़ते॥

(*i*) इस काव्यांश में किसका वर्णन किया गया है?
(क) सैनिकों का (ख) नेताओं का
(ग) साहसी लोगों का (घ) युवाओं का।

(*ii*) कार्य करने वाले क्या देखकर नहीं घबराते?
(क) बाधाओं को (ख) गरीबों को
(ग) युवाओं को (घ) नेताओं को।

(*iii*) हर जगह, सब काल में वे कैसे जीते हैं?
(क) दुखी हो (ख) फलते-फूलते
(ग) दौड़ते हुए (घ) लड़ते हुए।

(*iv*) किसी भी कठिन काम को ये कैसे करते हैं?
(क) जल्दी से (ख) पछताते हुए
(ग) बिना उकताए (घ) देरी से।

(*v*) फूले-फले में कौन-सा अलंकार है?
(क) यमक (ख) अनुप्रास
(ग) पुनरुक्ति प्रकाश (घ) ख, ग दोनों।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

मैं तो वही खिलौना लूँगा मचल गया शिशु राजकुमार।
वह बालक पुचकार रहा था पथ में जिसको बारंबार।
वह तो मिट्टी का ही होगा, खेलो तुम तो सोने से।
दौड़ पड़े सब दास-दासियाँ राजपुत्र के रोने से।
मिट्टी का हो या सोने का, इसमें वैसा एक नहीं।
खेल रहा था उछल-उछलकर वह तो उसी खिलौने से।
राजहठी ने फेंक दिए सब, अपने रजत-हेम-उपहार।
लूँगा वही, वही लूँगा मैं, मचल गया वह राजकुमार।

(*i*) राजकुमार किसके लिए हठ कर रहा था?
(क) मिठाई के लिए (ख) घूमने के लिए
(ग) खिलौने के लिए (घ) माँ के पास जाने के लिए।

(*ii*) दास-दासियों ने क्या किया?
(क) राजकुमार को बहलाने की कोशिश की (ख) उसे घुमाने ले गए
(ग) राजा को शिकायत की (घ) मिट्टी का खिलौना दिया।

http://jsunil tutorial.weebly.com/

(*iii*) राजकुमार के पास कैसे खिलौने थे?

(क) मिट्टी के (ख) लकड़ी के

(ग) सोने-चाँदी के (घ) रबड़ के।

(*iv*) राजकुमार का स्वभाव कैसा था?

(क) गुस्सैल (ख) लड़ाकू

(ग) हठी (घ) भोला-भाला।

(*v*) 'हेम' का पर्याय है—

(क) नदी (ख) लकड़ी

(ग) सोना (घ) चाँदी।

खंड—ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2

(क) 'निकम्मा' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'दर' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2

(क) 'लिपिक' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'आव' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3

(क) 'तिरंगा' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(ख) 'कमल के समान नयन हैं जिसके' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

(ग) 'माँ-बाप' विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(क) शायद आज वर्षा हो। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(ख) वाह! राकेश आनंद आ गया। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(ग) क्या इस बार हमारे शहर में बहुत बड़े-बड़े नेता आ रहे हैं?

(निषेधवाचक वाक्य में बदलिए)

(घ) वाह! मजा आ गया। (वाक्य का प्रकार बताइए)

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4

(क) मुदित महीपति मंदिर आए।

(ख) नभ पर चमचम चपला चमकी।

(ग) कबीरा सोई पीर है, जो जाने पर पीर।

(घ) नभमंडल छाया मरुस्थल।

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यावतरण पर आधारित प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए—

2 + 2 + 1 = 5

वही प्रोफेसर मनमोहन वर्मा आगे चलकर जम्मू यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर रहे, गोरखपुर यूनिवर्सिटी के भी रहे। कहने का तात्पर्य यह है कि मेरे छोटे भाई का नाम वही चला जो ताई साहिबा ने दिया।

JSUNIL TUTORIAL

उनके यहाँ भी हिंदी चलती थी, उर्दू भी चलती थी। यों, अपने घर में वे अवधी बोलते थे। वातावरण ऐसा था उस समय कि हम लोग बहुत निकट थे। आज की स्थिति देखकर लगता है, जैसे वह सपना ही था। आज वह सपना खो गया।

(*i*) मनमोहन वर्मा और लेखिका का क्या संबंध था? उनका नाम किसने रखा था?

(*ii*) ताई साहिबा का परिचय दीजिए।

(*iii*) लेखिका के समय का वातावरण कैसा था?

अथवा

तुम समझौता कर नहीं सके। क्या तुम्हारी भी वही कमजोरी थी, जो होरी को ले डूबी, नहीं 'नेम-धरम' वाली कमजोरी? 'नेम-धरम' उसकी भी जंजीर थी। मगर तुम जिस तरह मुस्करा रहे हो, उससे लगता है कि शायद 'नेम-धरम' तुम्हारा बंधन नहीं था, तुम्हारी मुक्ति भी!

(*i*) होरी की क्या कमजोरी थी?

(*ii*) होरी को उसकी कमजोरी कैसे ले डूबी?

(*iii*) प्रेमचंद के लिए 'नेम-धरम' क्या और क्यों था?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

(*ii*) बालिका मैना के चरित्र की कौन-कौन सी विशेषताएँ अपनाना चाहेंगे?

(*iii*) मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते। कैसे?

(*iv*) गुरुदेव ने शांति-निकेतन को छोड़ कहीं और रहने का मन क्यों बनाया था?

(*v*) सर टामस 'हे' ने मैना पर दया क्यों दिखाई?

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 + 2 + 1 = 5

एक काले माथ वाली चतुर चिड़िया
श्वेत पंखों के झपाटे मार फौरन
टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर,
एक उजली चटुल मछली
चोंच पीली में दबा कर
दूर उड़ती है गगन में।
औ यहीं से—
भूमि ऊँची है जहाँ से—
रेल की पटरी गई है
ट्रेन का टाइम नहीं है
मैं यहाँ स्वच्छंद हूँ
जाना नहीं है।

(क) चिड़िया का रूप-रंग तथा वह कैसी थी?

(ख) चिड़िया क्या करती थी?

(ग) चिड़िया के द्वारा पकड़ी गई मछली कैसी थी?

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(क) कवि ने प्रकृति का चित्रण किस प्रकार किया है?
(ख) मेघ को किस रूप में चित्रित किया गया है?
(ग) नाचने और प्रसन्नता व्यक्त करने का कार्य किसने और क्यों किया था?

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) बच्चों का काम पर जाना एक बड़े हादसे के समान है क्यों?
(*ii*) कवि ने 'सरसों को सयानी' क्यों कहा है?
(*iii*) मेघ रूपी मेहमान के आगमन से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?
(*iv*) कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है?
(*v*) अलसी के मनोभावों को स्पष्ट कीजिए।

14. हरिवंश राय बच्चन ने अभावग्रस्त लेखक की पढ़ाई-लिखाई में पर्याप्त सहायता की थी? क्या जीवन में हम सबको भी ऐसा ही करना चाहिए। ऐसा क्यों और कैसे किया जा सकता है? 5

खंड—घ

15. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) कालाधन : एक सामाजिक कलंक
(ख) कटते जंगल
(ग) आधुनिक वैज्ञानिक चमत्कार।

16. अपने छोटे भाई को कुसंगति से बचने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए। 5

17. बिहार में सोन नदी पर बन रहे पुल के गिर जाने से मारे गए लोगों के संबंध में प्रतिवेदन लिखिए। 5

MODEL QUESTION PAPER - 03

कक्षा—नौवीं
हिंदी ('ए' कोर्स)
(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे | पूर्णांक : 90

खंड—क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए—1 × 5 = 5

शूरसेन प्रदेश में चित्रकेतु नामक राजा थे। उनकी अनेक रानियाँ थीं, किंतु कोई संतान नहीं थी। एक दिन महर्षि अंगिरा राजभवन में पधारे। नरेश को संतान के लिए लालायित देख उन्होंने एक यज्ञ कराया, पर जाते समय कह गए, 'महाराज, आप पिता बनेंगे किंतु आपका पुत्र आपके हर्ष तथा शोक दोनों का कारण बनेगा। राजा को पुत्र प्राप्ति हुई। राजा पुत्र के स्नेहवश बड़ी रानी के भवन में अधिक समय बिताने लगे। फल यह हुआ कि दूसरी रानियाँ कुढ़ने लगीं। उनकी ईर्ष्या इतनी बढ़ी कि उन्होंने उस अबोध शिशु को विष दे दिया। बालक मर गया। राजा विलाप करने लगे। तभी वहाँ देवर्षि नारद पधारे। चित्रकेतु अभी शोकमग्न थे। देवर्षि ने ताड़ लिया कि इनका मोह ऐसे दूर नहीं होगा। उन्होंने अपनी दिव्य शक्ति के बल पर बालक की जीवात्मा को आमंत्रित किया। जीवात्मा के आ जाने पर उन्होंने कहा, 'देखो, ये तुम्हारे माता-पिता अत्यंत दुखी हो रहे हैं। तुम अपने शरीर में फिर प्रवेश करके इन्हें सुखी करो और राजसुख भोगो।' उस जीवात्मा ने कहा, 'देवर्षि, ये मेरे किस जन्म के माता-पिता हैं? जीव का तो कोई माता-पिता या भाई-बंधु है नहीं। ये सब संबंध तो शरीर के हैं। शरीर छूटने के साथ ही सब संबंध छूट जाते हैं।' राजा चित्रकेतु का मोह उसकी बातों को सुनकर नष्ट हो चुका था।

(*i*) राजा चित्रकेतु के जीवन में अभाव था—
(क) धन का (ख) पत्नी का
(ग) संतान का (घ) शांति का।

(*ii*) जाने से पूर्व महर्षि ने राजा को बताया कि उसका पुत्र—
(क) राज्य-वृद्धि का कारण बनेगा (ख) हर्ष का कारण बनेगा
(ग) शोक का कारण बनेगा (घ) हर्ष और शोक का कारण बनेगा।

(*iii*) बालक की मृत्यु का क्या कारण था?
(क) गंभीर बीमारी (ख) रानियों की ईर्ष्या
(ग) स्नेह का अभाव (घ) स्वाभाविक मृत्यु।

(*iv*) नारदजी के प्रसंग का उद्देश्य है—
(क) चित्रकेतु का मोह नष्ट करना (ख) मृत पुत्र को पुनः जीवित करना
(ग) महारानी के दुख को दूर करना (घ) ईश्वर-प्राप्ति का मार्ग दिखाना।

(*v*) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है—
(क) चित्रकेतु की मोह-मुक्ति (ख) नारद का मोह
(ग) नारद की चालाकी (घ) रानियों की ईर्ष्या

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए—1 × 5 = 5

यह देश तीर्थों का देश है। जितने तीर्थ-स्थान भारत मे हैं उतने शायद ही किसी देश में हों। जब से भारत में आर्थिक तथा सामाजिक विकास की गति तेज हुई है तब से बड़े-बड़े उद्योग एवं कारखाने सामाजिक तीर्थों के रूप में प्रतिष्ठा पाने लगे हैं। जब-जब किसी नई परियोजना का सूत्रपात होता है, तब-तब नए भारत का एक स्वप्न साकार हो उठता है। आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भारत जितना आगे बढ़ता जा रहा है उतना ही वह अन्य देशों की दृष्टि में ऊँचा उठता जा रहा है। जब से भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में प्रवेश किया है तब से जनता के मन में आशाओं का संचार हो उठा है। आज भारत के विकास में नए-नए अध्याय जुड़ रहे हैं। जहाँ वह आध्यात्मिक क्षेत्र में संसार का गुरु रहा है वहाँ अब वह भौतिक विकास में भी किसी से पीछे नहीं है।

(*i*) भारत विश्व में पहचाना जाता है—
(क) पूर्ण विकसित देश के रूप में (ख) पिछड़े देश के रूप में
(ग) तीर्थों के देश के रूप में (घ) आदर्श देश के रूप में।

(*ii*) लेखक के अनुसार सामाजिक तीर्थ हैं—
(क) औद्योगिक शहर (ख) बड़े-बड़े उद्योग और कारखाने
(ग) नदियों के किनारे स्थित शहर (घ) समुद्र के किनारे स्थित राज्य।

(*iii*) नए भारत का स्वप्न साकार हो उठता है—
(क) नए आविष्कारों द्वारा
(ख) नए उद्योग आरंभ होने पर
(ग) नए कारखाने बनने पर
(घ) नई परियोजना के सूत्रपात होने पर।

(*iv*) भारतवासियों के हृदय में नवीन आशा का संचार हो गया है—
(क) आर्थिक और सामाजिक विकास के कारण
(ख) विभिन्न सामाजिक तीर्थों के प्रतिष्ठित होने पर
(ग) भारत द्वारा परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में प्रवेश करने पर
(घ) पर्यटन के क्षेत्र में विकास के कारण।

(*v*) आरंभ से ही भारत संसार का गुरु रहा है—
(क) सामाजिक क्षेत्र में (ख) आध्यात्मिक क्षेत्र में
(ग) आर्थिक क्षेत्र में (घ) वैज्ञानिक क्षेत्र में।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

जब किसी की आँख में बरसात आती है,
भावना मेरे हृदय की भीग जाती है!
दूर जाता है किसी का प्राण-प्यारा जब,
प्रेम-पाती कल्पना मेरी पठाती है!
वेदना की रागिनी तुम छेड़ देते हो,
बीन सी मेरी कलम झंकार जाती है!

http://jsunilTutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

पंख कोई काट देता है किसी का जब,
साधना मेरी विहग-सी छटपटाती है!
तोड़ता कोई नया अंकुर कहीं पर भी,
तब कली मेरे हृदय की सूख जाती है!
कौन जाने जल रही है वह चिता किसकी,
चेतना मेरी मगर मातम मनाती है!
बहा करती सतत जीवन-धार जो मेरी,
शुष्क जग को स्नेह के रस में डुबाती है!
आह और कराह सुन जग की दुखी हूँ मैं,
क्यों नहीं फटती जगत की वज्र-छाती है!
जो पराई पीर को अपनी बना लेते,
वंदना मेरी उन्हें मस्तक झुकाती है!

(*i*) 'आँख में बरसात' आने का तात्पर्य है—
(क) आँखों पर वर्षा का जल पड़ना (ख) आँखों से आँसू बहना
(ग) आँखें धोना (घ) आँखें पोंछना।

(*ii*) पक्षी के समान छटपटाहट कब होती है?
(क) जब कोई किसी को कष्ट देता है
(ख) जब कोई किसी से प्रेम करता है
(ग) जब कोई किसी की चिंता करता है
(घ) जब कोई किसी को याद करता है।

(*iii*) 'चेतना मेरी मगर मातम मनाती है' में अलंकार है—
(क) उपमा (ख) उत्प्रेक्षा
(ग) अनुप्रास (घ) रूपक।

(*iv*) कवि 'शुष्क जग' संसार के किन लोगों को कहता है?
(क) जहाँ सूखा पड़ा हो (ख) रेगिस्तान में रहने वालों को
(ग) बंजर जमीन को (घ) जो संवेदनहीन हैं।

(*v*) कवि किन लोगों की वंदना करता है?
(क) जो बलवान हैं (ख) जो धनवान हैं
(ग) जो दूसरों के दुख को अपना बना लेते हैं (घ) जो शासकवर्ग के लोग हैं।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

पैदा काँटों में, पल करके काँटों में
खिला फूल एक।
मुस्काकर व्यंग किया भौंरे ने
नहीं अगर पूछूँ, मृदु मुख चूमूँ

होगा परिणाम क्या जीवन का?
पारखी न गर, हीरा पत्थर का पत्थर होता।
जाता बिखर तू भी काँटों में।
सुमन मुस्कराया,
मानदंड तू ही क्या मेरे मूल्यांकन का?
सोया मैं धूल में था, लोटा मैं धूल में था
काँटों में पैदा हो खिल गया।
धूल से मैं आया हूँ,
धूल में मिल जाऊँगा
जननी-जन्मभूमि की वेदी पर।
पर, तू सम लोभी जन का क्या होगा?
तेरा इतिवृत्त मिल कीड़े खा जाएँगे।

(*i*) फूल किसमें खिला?

(क) डाली पर (ख) काँटों में
(ग) उद्यान में (घ) क्यारी में।

(*ii*) भौंरे ने स्वयं को क्या माना है?

(क) पारखी (ख) प्रेमी
(ग) पतंग (घ) प्यासा।

(*iii*) सुमन क्यों मुस्कराया?

(क) वह खिला हुआ था (ख) वह बहुत प्रसन्न था
(ग) वह भौंरे को पारखी नहीं मानता (घ) उसे घमंड हो गया था।

(*iv*) सुमन कहाँ बलिदान हो जाना चाहता है?

(क) सुंदरियों पर (ख) नेताओं पर
(ग) धनवानों पर (घ) जन्मभूमि पर।

(*v*) भौंरे को सुमन कैसा मानता है?

(क) त्यागी (ख) प्रेमी
(ग) लोभी (घ) क्रोधी।

<u>खंड—ख</u>

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2

(क) 'पुरोहित' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'बिन' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

JSUNIL TUTORIAL

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2

(क) 'सुहावना' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'ऐया' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3

(क) 'महादेव' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(ख) 'गंगा का तट' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

(ग) 'बेखटके', समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(क) निकल जाओ कमरे से बाहर। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(ख) हाय! मैं मर गया। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(ग) प्रश्नात्मक वाक्य का एक उदाहरण दीजिए।

(घ) विधानवाचक वाक्य का एक उदाहरण दीजिए।

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4

(क) निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है।

(ख) विज्ञान यान पर चढ़ी हुई सभ्यता डूबने जाती है।

(ग) मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।

(घ) मेघ आए बन-ठन के सँवर के।

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यावतरण पर आधारित प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए—2 + 2 + 1 = 5

उस मैना को क्या हो गया है, यही सोचता हूँ। क्यों वह दल से अलग होकर अकेली रहती है? पहले दिन देखा था सेमर के पेड़ के नीचे मेरे बगीचे में। जान पड़ा जैसे एक पैर से लँगड़ा रही हो। इसके बाद उसे रोज़ सबेरे देखता हूँ—संगीहीन होकर कीड़ों का शिकार करती फिरती है। चढ़ जाती है बरामदे में। नाच-नाच कर चहल-कदमी किया करती है, मुझसे ज़रा भी नहीं डरती।

(i) लेखक ने यह कथन किस आधार पर लिखा है?

(ii) मैना को क्या हो गया था? वह दल से अलग क्यों रहती है?

(iii) मैना क्या करती रहती है?

अथवा

इसके बाद कराल रूपधारी जनरल आउटरम भी वहाँ पहुँच गया। वह उसे तुरंत पहचानकर बोला, "ओह! यह नाना की लड़की मैना है।" पर वह बालिका किसी ओर न देखती थी और न अपने चारों ओर सैनिकों को देखकर ज़रा भी डरी। जनरल आउटरम ने आगे बढ़कर कहा—"अंग्रेज़ सरकार की आज्ञा से मैंने तुम्हें गिरफ़्तार किया।"

मैना उसके मुँह की ओर देखकर आर्त स्वर में बोली—"मुझे कुछ समय दीजिए, जिससे आज मैं यहाँ जी भरकर रो लूँ।" पर पाषाण-हृदय वाले जनरल ने उसकी अंतिम इच्छा भी पूरी होने न दी। उसी समय मैना के हाथ में हथकड़ी पड़ी और वह कानपुर के किले में लाकर कैद कर दी गई।

http://jsunltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(*i*) पाठ के लेखक का नाम क्या है?

(*ii*) जनरल आउटरम कैसा था?

(*iii*) जनरल ने किसको पहचाना?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) लेखक के विचार से प्रेमचंद का जूता कैसे फटा होगा?

(*ii*) गुरुदेव ने शांति-निकेतन छोड़ जाने का मन क्यों बनाया?

(*iii*) लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का वर्णन किया है?

(*iv*) प्रेमचंद की पाठ के आधार पर विशेषताएँ लिखिए।

(*v*) मैना जड़ पदार्थ मकान क्यों बचाना चाहती थी?

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 5

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,
'बरस बाद सुधि लीन्हीं'—
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(क) बूढ़े पीपल ने ही सबसे पहले जुहार क्यों की?

(ख) बूढ़े पीपल ने बादलों का स्वागत कैसे किया?

(ग) लता ने बादलों को क्या कहा?

अथवा

माँ ने एक बार मुझे कहा था—
दक्षिण की तरफ़ पैर करके मत सोना
वह मृत्यु की दिशा है।
और यमराज को क्रुद्ध करना
बुद्धिमानी की बात नहीं
तब मैं छोटा था
और मैंने यमराज के घर का पता पूछा था
उसने बताया था—
तुम जहाँ भी हो वहाँ से हमेशा दक्षिण में

(क) कवि की माँ ने कवि को क्या कभी न करने को कहा था?

(ख) माँ ने किसे बुद्धिमानी की बात नहीं माना था?

(ग) कवि ने अपनी माँ से क्या जानने की इच्छा की थी?

13. संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) कविता में बगुले के बारे में क्या कहा गया है?

http://jsuniltutorial.weebly.com/

(*ii*) 'मेघ आए' कविता में किन रीति-रिवाजों का चित्रण हुआ है?

JSUNIL TUTORIAL

(iii) कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों बन गई है?

(iv) सरसों को सयानी कहकर कवि ने क्या कहा है?

(v) चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा में कवि की किस सूक्ष्म कल्पना का आभास होता है?

14. उमा ने गोपाल प्रसाद और शंकर को साफ़-स्पष्ट शब्दों में अपने हृदय की बात कह दी थी और शंकर को बिना रीढ़ की हड्डी वाला घोषित कर दिया था? आपकी दृष्टि में क्या ऐसा करना उमा के लिए उचित था? तर्क संगत ढंग से आज के जीवन के मूल्य बोध को प्रस्तुत कीजिए। 5

खंड—घ

15. नीचे दिए गए विषयों में से किसी एक पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) आतंकवाद एक समस्या

(ख) स्वदेश-प्रेम

(ग) मेरे जीवन का लक्ष्य अथवा उद्देश्य।

16. आपका सामान बस में छूट गया, उसे प्राप्त करने के लिए परिवहन अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

17. नगर-निगम, देहरादून द्वारा नगर की सौंदर्य वृद्धि के लिए नियुक्त समिति का प्रतिवेदन तैयार कीजिए। 5

MODEL QUESTION PAPER - 04

कक्षा—नौवीं

हिंदी ('ए' कोर्स)

(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 90**

खंड—क

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए— 1 × 5 = 5

साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला व्यक्ति दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्य की प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्यम बनाते हैं। जब लोग त्रस्त हों, पराजित हों या शोकग्रस्त हों तभी उन्हें हमारी सहानुभूति, सहायता अथवा प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। उस समय उनका साहस, आत्म-विश्वास लड़खड़ा जाता है। उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने या उनकी परेशानी का मज़ा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए और उन्हें सहारा देकर उनका साहस बढ़ाना चाहिए। अतः जीवन में सफल होने के लिए तथा समस्त विपत्तियों का हल निकालने के लिए मनुष्य को साहस नहीं त्यागना चाहिए।

(*i*) बिलकुल निडर और बिलकुल बेखौफ़ ज़िंदगी जीने वाले को कहते हैं—

(क) फ़कीर (ख) भिखारी

(ग) आवारा (घ) हिम्मती।

(*ii*) साहसी किस बात की चिंता नहीं करता?

(क) लोग उसके घर में क्या सोचते हैं

(ख) वह क्या कर रहा है

(ग) लोग क्या कर रहे हैं

(घ) वह कहाँ जा रहा है?

(*iii*) दुनिया की असली ताकत किस व्यक्ति में होती है?

(क) जो दुनिया की उपेक्षा करता है

(ख) जो दुनिया के साथ चलता है

(ग) जो दुनिया को साथ लेकर चलता है

(घ) जो दुनिया की चिंता करता है।

(*iv*) क्रांति करने वाले लोग कैसे होते हैं?

(क) दूसरों की सहायता लेते हैं (ख) दूसरों का अनुसरण करते हैं

(ग) अपना मार्ग स्वयं बनाते हैं (घ) दूसरों की सुनते हैं।

JSUNIL TUTORIAL

(*v*) जीवन में सफल होने के लिए मनुष्य के साथ होना चाहिए, उसका—

(क) मित्र (ख) सहायक

(ग) मार्ग-दर्शक (घ) साहस।

2. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए— 1 × 5 = 5

भारतीय भू-भौगोलिक स्थिति को ठीक-ठाक समझने के लिए यहाँ के पर्वत-समूहों और नदी-समूहों का विस्तृत अध्ययन आवश्यक है। खेद है कि आजकल जिस प्रकार का भूगोल स्कूलों आदि में पढ़ाया जाता है, वह नीरस और भारतीय जीवन-धारा तथा उसके इतिहास और संस्कृति से कटा हुआ है। जिस प्रकार वनों का वृक्षों से, नदियों का जल से संबंध है, उसी प्रकार नदियों का वनों से भी संबंध मानना चाहिए। वनों के रहते नदियाँ स्वतः फूट पड़ती हैं, प्रवाहित होती रहती हैं। वन नहीं रहेंगे तो नदियाँ नहीं रहेंगी। नदियों के न रहने पर हमारी संस्कृति विच्छिन्न हो जाएगी। हमारा जीवन-स्रोत ही सूख जाएगा। आदमी की ज़िंदगी अपने-आप में बहुत ही अकेली और नीरस होती है। आदमी-आदमी के रिश्ते-नाते उसका बहुत दूर तक साथ नहीं देते। पर जब वह इनसे आगे बढ़कर व्यापक संबंध कायम करने की कोशिश करता है तो उसके साथ वन, पर्वत, नदी आदि सब चल पड़ते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता।

(*i*) भारत की भौगोलिक स्थिति कैसे समझी जा सकती है?

(क) भारत भ्रमण से

(ख) भारत के जनजीवन के अध्ययन से

(ग) भारत के पर्वतों और नदियों के अध्ययन से

(घ) भारत के महानगरों के अध्ययन से।

(*ii*) विद्यालयों में भूगोल का अध्यापन किससे कटा हुआ है?

(क) भारतीय पर्वतों से (ख) भारतीय नदियों से

(ग) भारतीय वनों से (घ) भारतीय संस्कृति से।

(*iii*) नदियों का किनसे भी संबंध मानना चाहिए?

(क) मानवों से (ख) पशुओं से

(ग) वनों से (घ) खेतों से।

(*iv*) हमारी संस्कृति किनके नहीं रहने से विच्छिन्न हो जाएगी?

(क) पर्वतों के (ख) नदियों के

(ग) वनों के (घ) मनुष्यों के।

(*v*) कौन-से रिश्ते बहुत दूर तक साथ नहीं देते?

(क) नदी-वन के (ख) वन-वृक्ष के

(ग) पर्वत-वन के (घ) आदमी-आदमी के।

3. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए— 1 × 5 = 5

नीरव संध्या में प्रशांत डूबा है सारा ग्राम प्रांत!
पत्रों के आनत अधरों पर सो गया निखिल वन का मर्मर,
ज्यों वीणा के तारों में स्वर!

http://jsuniltutorial.weebly.com/

SUNIL TUTORIAL

खग कूजन भी हो रहा लीन, निर्जन गोपथ अब धूलिहीन,
धूसर भुजंग-सा जिह्वन क्षीण!
झींगुर के स्वर का प्रखर तीर केवल प्रशांति को रहा चीर,
संध्या प्रशांति को कर गंभीर!
इस महाशांति का डर उदार, चिर आकांक्षा की तीक्ष्ण धार
ज्यों बोध रही हो आर पार!
अब हुआ सांध्य स्वर्णभि लीन, सब वर्ण वस्तु से विश्वहीन!
गंगा के चल जल में निर्मल, कुम्हला किरणों का रक्तोत्पल,
है मूँद चुका अपने मृदु दल!
लहरों पर स्वर्ण रेख सुंदर पड़ गई नील, ज्यों अँधेरों पर
अरुणाई प्रखर शिशिर से डर!

(*i*) गाँव का वातावरण कैसा है?
(क) संघर्षपूर्ण (ख) उल्लासमय
(ग) निस्तब्ध (घ) भयानक।

(*ii*) 'गोपथ' किसे कहते हैं?
(क) राष्ट्रीय मार्ग (ख) राजमार्ग
(ग) जनपथ (घ) पगडंडी।

(*iii*) वातावरण में किसकी तेज आवाज गूँज रही है?
(क) कोयल की (ख) झींगुर की
(ग) तोते की (घ) उल्लू की।

(*iv*) 'अब हुआ सांध्य स्वर्णभि लीन' किसे कहा गया है?
(क) सूर्य को (ख) चंद्रमा को
(ग) तारों को (घ) विद्युत को।

(*v*) 'धूसर भुजंग-सा जिह्वन क्षीण'—इससे कवि का संकेत है—
(क) साँप की ओर (ख) सड़क की ओर
(ग) पगडंडी की ओर (घ) दलदल की ओर।

4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए— 1 × 5 = 5

दो हज़ार मन गेहूँ आया दस गाँवों के नाम
राधे चक्कर लगा काटने, सुबह हो गई शाम
सौदा पटा बड़ी मुश्किल से, पिघले नेताराम
पूजा पाकर साध गए चुप्पी हाकिम हुक्काम
भारत-सेवक जी को था अपनी सेवा से काम
खुला चोर बाज़ार, बढ़ा चोकर चूनी का दाम
भीतर झुरा गई ठठरी, बाहर झुलसी चाम
भूखी जनता की खातिर आज़ादी हुई हराम।

https://sunniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(*i*) गेहूँ कहाँ से आया होगा?
(क) खेतों से (ख) गाँवों से
(ग) सरकार की ओर से (घ) दानियों से।

(*ii*) राधे कौन है?
(क) सरकारी नौकर (ख) अकाल पीड़ित
(ग) सेठ (घ) किसान।

(*iii*) नेताओं की पूजा कैसे की गई?
(क) हार पहनाकर (ख) आरती उतारकर
(ग) सिक्कों से तोलकर (घ) रिश्वत चढ़ाकर।

(*iv*) प्रस्तुत काव्यांश का विषय क्या है?
(क) दानशीलता (ख) रिश्वतखोरी
(ग) दयालुता (घ) विनम्रता।

(*v*) अकाल पीड़ितों को क्या नहीं मिला?
(क) पैसा (ख) गेहूँ
(ग) समाज-सेवक की सहायता (घ) पानी।

खंड—ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'सहानुभूति' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'बर' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'बाज़ारू' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'तया' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3
(क) 'घनश्याम' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।
(ख) 'लक्ष्य से भ्रष्ट' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।
(ग) 'आमरण' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4
(क) अभी तक कौन नहीं पहुँचा। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ख) शायद वह नदी पर पहुँच चुका होगा। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ग) सुबह को वर्षा हुई थी। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)
(घ) छि:! कितना गंदा दृश्य। (वाक्य का प्रकार बताइए)

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4
(क) रघुपति राघव राजाराम।
(ख) हरिपद कोमल कमल से।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(ग) पानी गए न ऊबरै मोती, मानुष, चून।

(घ) तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती हैं।

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए— 2 + 2 + 1 = 5

उन दिनों छुट्टियाँ थीं। आश्रम के अधिकांश लोग बाहर चले गए थे। एक दिन हमने सपरिवार उनके 'दर्शन' की ठानी। 'दर्शन' को मैं जो यहाँ विशेष रूप से दर्शनीय बनाकर लिख रहा हूँ, उसका कारण यह है कि गुरुदेव के पास जब कभी मैं जाता था तो प्राय: वे यह कहकर मुसकरा देते थे कि 'दर्शनार्थी हैं क्या?'

(*i*) 'उन दिनों छुट्टियाँ थीं' यहाँ लेखक किन दिनों की बात करते हैं?

(*ii*) लेखक किनके दर्शन करना चाहते थे?

(*iii*) लेखक दर्शन को इसलिए विशेष बना रहे हैं क्योंकि .....

अथवा

वहाँ छात्रावास के हर एक कमरे में हम चार छात्राएँ रहती थीं। उनमें पहली ही साथिन सुभद्रा कुमारी चौहान मिली। सातवें दर्जे में वे मुझसे दो साल सीनियर थीं। वे कविता लिखती थीं और मैं भी बचपन से तुक मिलाती आई थी। बचपन में माँ लिखती थीं, पद भी गाती थीं। मीरा के पद विशेष रूप से गाती थीं। सवेरे 'जागिए कृपानिधान पंछी बन बोले' यही सुना जाता था। प्रभाती गाती थीं। शाम को मीरा का कोई पद गाती थीं। सुन-सुनकर मैंने भी ब्रजभाषा में लिखना आरंभ किया। यहाँ आकर देखा कि सुभद्रा कुमारी जी खड़ी बोली में लिखती थीं। मैं भी वैसा ही लिखने लगी। लेकिन सुभद्रा जी बड़ी थीं, प्रतिष्ठित हो चुकी थीं। उनसे छिपा-छिपाकर लिखती थी मैं। एक दिन उन्होंने कहा, 'महादेवी तुम कविता लिखती हो?' तो मैंने डर के मारे कहा, 'नहीं'।

(*i*) छात्रावास के विषय में कौन बता रही हैं?

(*ii*) सुभद्रा कुमारी चौहान किस भाषा में लिखती थीं?

(*iii*) लेखिका किससे छिपा-छिपाकर लिखा करती थीं?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) मैना के मकान को अंग्रेज़ क्यों नष्ट करना चाहते थे?

(*ii*) लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

(*iii*) गुरुदेव ने शांति-निकेतन छोड़ने का मन क्यों बनाया?

(*iv*) जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है?

(*v*) लेखक के विचार से फ़ोटो कैसे खिंचवाई?

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 5

पास ही मिलकर उगी है
बीच में अलसी हठीली।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

देह की पतली, कमर की है लचीली,
नील फूले फूल को सिर पर चढ़ाकर
कह रही है, जो छुए यह,
दूँ हृदय का दान उसको।

(क) कवि ने अलसी को कौन-सा विशेषण दिया है?

(ख) अलसी की सुंदरता प्रकट कीजिए।

(ग) अलसी क्या कहना चाहती है?

अथवा

वनस्थलों का हृदय चीरता।
उठता-गिरता,
सारस का स्वर।
टिरटों टिरटों,
मन होता है
उड़ जाऊँ मैं,
पर फैलाए सारस के संग
जहाँ जुगल जोड़ी रहती है
हरे खेत में,
सच्ची प्रेम-कहानी सुन लूँ
चुप्पे-चुप्पे।

(क) कवि ने किस-किस पक्षी की आवाज़ कविता में सुनाई है?

(ख) कवि की इच्छा क्या है?

(ग) हरे-भरे खेत में कौन विराजमान रहता है?

13. संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) मेघों के लिए बन-ठन सँवरने की बात क्यों कही गई है?

(*ii*) कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?

(*iii*) सरसों को सयानी कहने के पीछे कवि का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) 'चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा' में कवि की किस सूक्ष्म कल्पना का आभास मिलता है?

(*v*) अलसी के मनोभावों को स्पष्ट कीजिए।

14. 'रीढ़ की हड्डी' पाठ में कुंठित बुद्धि के गोपाल प्रसाद का परिवार अपने लड़के के दोषों को अनदेखा कर ऐसी लड़की को परिवार की बहू बनाना चाहते हैं जो अपने अवगुणों के कारण सदा दबी रहे। आपके विचार से क्या ऐसी सोच परिवार और समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती है? तर्क सहित उत्तर दीजिए। 5

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

खंड—घ

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) अनुशासन की समस्या

(ख) विद्यार्थी और फैशन

(ग) आधुनिक भारतीय नारी।

16. अपने क्षेत्र के डाक-वितरण की अव्यवस्था की शिकायत मुख्य डाकपाल को कीजिए। 5

17. राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार के लिए गठित समिति का प्रतिवेदन आंध्र प्रदेश के राज्यपाल को प्रस्तुत कीजिए। 5

MODEL QUESTION PAPER - 05

कक्षा—नौवीं
हिंदी ('ए' कोर्स)
(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 90

खंड—क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 5 × 1 = 5

साहसपूर्ण आनंद की उमंग का नाम उत्साह है। कर्म-सौंदर्य के उपासक ही सच्चे उत्साही कहलाते हैं। जिन कर्मों में किया प्रकार का कष्ट या हानि सहने का साहस अपेक्षित होता है उन सबके प्रति उत्कंठापूर्ण आनंद उत्साह के अंतर्गत लिया जाता है। कष्ट या हानि के भेद के अनुसार उत्साह के भी भेद हो जाते हैं। साहित्य-मीमांसकों ने इसी दृष्टि से युद्ध-वीर, दान-वीर, दया-वीर इत्यादि भेद किए हैं। इनमें सबसे प्राचीन और प्रधान युद्धवीरता है, जिसमें आघात, पीड़ा क्या मृत्यु तक की परवाह नहीं रहती। इस प्रकार की वीरता का प्रयोजन अत्यंत प्राचीनकाल से पड़ता चला आ रहा है, जिसमें साहस और प्रयत्न दोनों चरम उत्कर्ष पर पहुँचते हैं। केवल कष्ट या पीड़ा सहन करने के साहस में ही उत्साह का स्वरूप स्फुरित नहीं होता। उसके साथ आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कंठा का योग चाहिए। बिना बेहोश हुए भारी फोड़ा चिराने को तैयार होना साहस कहा जाएगा, पर उत्साह नहीं। इसी प्रकार चुपचाप, बिना हाथ-पैर हिलाए, घोर प्रहार सहने के लिए तैयार रहना साहस और कठिन-से-कठिन प्रहार सह कर भी जगह से न हटना वीरता कही जाएगी। दानवीर और अर्थ-त्याग का साहस अर्थात उसके कारण होने वाले कष्ट या कठिनता को सहने की क्षमता अंतर्हित रहती है। दानवीरता तभी कही जाएगी जब दान के कारण दानी को अपने जीवन-निर्वाह में किसी प्रकार का कष्ट या कठिनता दिखाई देगी। इस कष्ट या कठिनता की मात्रा या संभावना जितनी ही अधिक होगी, दानवीरता उतनी ही ऊँची समझी जाएगी, पर इस अर्थ-त्याग के साहस के साथ ही जब तक पूर्ण तत्परता और आनंद के चिह्न न दिखाई पड़ेंगे तब तक उत्साह का स्वरूप न खड़ा होगा।

(*i*) साहस से भरे हुए आनंद की उमंग का क्या नाम है?
(क) उत्साह (ख) आशा
(ग) प्रयत्न (घ) उदारता।

(*ii*) सबसे प्राचीन और प्रधान वीरता कौन-सी है?
(क) युद्धवीरता (ख) धर्मवीरता
(ग) दयावीरता (घ) दानवीरता।

(*iii*) उत्साह का दर्शन किस प्रकार के प्रयत्न में दिखाई देता है?
(क) दुखपूर्ण (ख) आनंदपूर्ण
(ग) निराशापूर्ण (घ) व्यंग्यपूर्ण।

JSUNIL TUTORIAL

(iv) दानवीरता तब महत्त्वपूर्ण कहलाती है जब दानी को अपने जीवन-निर्वाह में कैसा अनुभव हो?
(क) कष्ट (ख) सुख
(ग) संतोष (घ) उत्साह।

(v) 'अर्थ-त्याग' से किसका त्याग है?
(क) धर्म (ख) धन
(ग) कर्म (घ) देह।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

महात्मा गांधी कहा करते थे, "शिक्षा ही जीवन है।" इसके समक्ष सभी धन फीके हैं। विद्या के बिना मनुष्य कंगाल बन जाता है, क्योंकि विद्या का ही प्रकाश जीवन को आलोकित करता है। विद्याध्ययन का समय बाल्यकाल से आरंभ होकर युवावस्था तक रहता है। यों तो मनुष्य जीवन-भर कुछ-न-कुछ सीखता रहता है, किंतु नियमित अध्ययन के लिए यही अवस्था उपयुक्त है। मनुष्य की उन्नति के लिए विद्यार्थी जीवन एक महत्त्वपूर्ण अवस्था है। इस काल में वे जो कुछ सीख पाते हैं, वह जीवन-पर्यंत उनकी सहायता करता है। इसके अभाव में मनुष्य का विकास नहीं हो सकता। जिस बालक को यह जीवन बिताने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ वह जीवन के वास्तविक सुख से वंचित रह जाता है। यह वह अवस्था है जिसमें अच्छे नागरिकों का निर्माण होता है। यह वह जीवन है जिसमें मनुष्य के मस्तिष्क और आत्मा के विकास का सूत्रपात होता है। यह वह अमूल्य समय है जो मानव-जीवन में सभ्यता और संस्कृति का बीजारोपण करता है। इस जीवन की समता मानव-जीवन का कोई अन्य भाग नहीं कर सकता।

(i) किसके समक्ष सब धन फीके हैं?
(क) भोजन (ख) वस्त्र
(ग) शिक्षा (घ) मकान।

(ii) जीवन को किसका प्रकाश आलोकित करता है?
(क) धन (ख) संतान
(ग) विद्या (घ) पद।

(iii) मनुष्य की उन्नति के लिए कौन-सी अवस्था महत्त्वपूर्ण है?
(क) गृहस्थ (ख) विद्याध्ययन
(ग) वैराग्य (घ) वानप्रस्थ।

(iv) किस जीवन की समता मानव-जीवन का कोई अन्य भाग नहीं कर सकता?
(क) विद्यार्थी (ख) गृहस्थ
(ग) संन्यासी (घ) राजसी।

(v) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा—
(क) विद्यार्थी जीवन (ख) विद्याध्ययन
(ग) सुखी जीवन (घ) मनुष्यता का विकास।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

"जिसने झेला नहीं, खेल क्या उसने खेला?
जो कष्टों से भागा, दूर हो गया सहज जीवन के क्रम से

http://jsunitutorial.weebly.com/

उसको दे क्या दान प्रकृति की यह गतिमयता
यह नव बेला।
पीड़ा के माथे पर ही आनंद तिलक चढ़ता आया है।
मुझे देखकर आज तुम्हारा मन यदि सचमुच ललचाया है,
तो कृत्रिम दीवारें तोड़ो
बाहर जाओ
खुलो, तपो, भीगो, गल जाओ,
आँधी, तूफानों को सिर पर लेना सीखो।
जीवन का हर दर्द सहेजो
स्वीकारो हर चोट समय की
जितनी भी हलचल मचनी हो, मच जाने दो
रस-विष दोनों को गहरे में पच जाने दो
तभी तुम्हें भी धरती का आशीष मिलेगा
तभी, तुम्हारे प्राणों में भी यह पलाश का फूल खिलेगा।"

(*i*) आनंद पाने का अधिकारी है—

(क) कष्ट देने वाला (ख) स्वार्थी व्यक्ति
(ग) कष्ट सहने वाला (घ) परिश्रम करने वाला।

(*ii*) 'बाहर जाओ' से कवि का अभिप्राय है—

(क) प्रातः भ्रमण (ख) प्रत्येक परिस्थिति का सामना करना
(ग) देश-भ्रमण (घ) विदेश-भ्रमण।

(*iii*) धरती का आशीर्वाद प्राप्त होता है—

(क) विषपान करने वाले को (ख) अमृतपान करने वाले को
(ग) किसान को (घ) सुख-दुख को समान रूप से लेने वालों को।

(*iv*) कष्ट से दूर भागने वाला व्यक्ति—

(क) जीवन को स्वाभाविक रूप से नहीं जी पाता
(ख) सदैव असफलता प्राप्त करता है
(ग) सदैव सफलता प्राप्त करता है
(घ) अंततः मृत्यु को प्राप्त करता है।

(*v*) काव्यांश का उचित शीर्षक है—

(क) आँधी (ख) तूफान
(ग) मानव-जीवन (घ) पीड़ा।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

जड़ दीप तो देकर हमें प्रकाश जलता जाता है,
पर एक हममें दूसरे को दे रहा संताप है।

SUNIL TUTORIAL

क्या हम जड़ों से भी जगत में हैं गए बीते नहीं?
हे भाइयो! इस भाँति तो तुम थे कभी जीते नहीं।
हमको समय को देखकर ही नित्य चलना चाहिए,
बदले हवा जब जिस तरह हमको बदलना चाहिए।
विपरीत विश्व-प्रवाह के निज नाव जा सकती नहीं,
अब पूर्व की बातें सभी प्रस्ताव पा सकती नहीं॥
है बदलता रहता समय, उसकी सभी बातें नई,
कल काम में आती नहीं हैं, आज की बातें कई।
है सिद्धि-मूल यही कि जब जैसा प्रकृति का रंग हो
तब ठीक वैसा ही हमारी कार्य-कृति का ढंग हो॥

(*i*) दीपक की विशेषता है—
(क) बेजान होता है (ख) तेल के बिना जल सकता है
(ग) कष्ट सहकर दूसरों को प्रकाश देता है (घ) अपने आप ही जलता है।

(*ii*) कवि मनुष्य को बेजान पदार्थों से भी हीन बता रहा है क्योंकि वह—
(क) झगड़ालू है (ख) स्वार्थी है
(ग) दूसरों को दुख देता है (घ) दूसरों को कुछ नहीं देता।

(*iii*) कवि समय के साथ चलने की प्रेरणा दे रहा है—
(क) स्वयं को आधुनिक सिद्ध करने के लिए (ख) प्रशंसा प्राप्त करने के लिए
(ग) उन्नति के लिए (घ) परंपरा निर्वाह के लिए।

(*iv*) 'विश्व-प्रवाह' द्वारा कवि का संकेत है—
(क) वर्षा और बाढ़ में डूबना-बहना
(ख) विश्व पर यूरोप का प्रभाव
(ग) विश्व की प्रसिद्ध सभ्यताओं का लुप्त होना
(घ) ज्ञान-विज्ञान के कारण होने वाले परिवर्तन।

(*v*) मनुष्य की कार्य-कृति का ढंग होना चाहिए—
(क) अपनी सामर्थ्य के अनुसार (ख) अपनी स्वार्थ सिद्धि के अनुसार
(ग) समाज में हो रहे परिवर्तन के अनुसार (घ) अपनी आवश्यकता के अनुसार।

खंड—ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'अधखिला' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'कु' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'धौंकनी' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'आई' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

http://suniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3

(क) 'दिगंबर' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(ख) 'प्राणों का पति' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

(ग) द्वंद्व समास का एक उदाहरण दीजिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(क) आपका दिन मंगलमय हो। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(ख) सुरेश पढ़ रहा है। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(ग) अरे, घूमने जाएगा। (निषेधात्मक वाक्य में बदलिए)

(घ) सीता आज पत्र लिखेगी। (संदेहार्थक वाक्य में बदलिए)

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4

(क) माया दीपक नर पतंग, भ्रमि भ्रमि इवै।

(ख) निर्धन के धन सी तुम आई।

(ग) निपट निरंकुश निठुर निसंकू।

(घ) मेघमय आसमान से उतर रही, संध्या सुंदरी परी-सी।

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यावतरण पर आधारित प्रश्नों के विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए— 2 + 2 + 1 = 5

बड़े दुख का विषय है कि भारत-सरकार आज तक इस दुर्दांत नाना साहब को नहीं पकड़ सकी जिस पर समस्त अंग्रेज जाति का क्रोध है। जब तक हम लोगों के शरीर में रक्त रहेगा, तब तक कानपुर में अंग्रेजों के हत्याकांड का बदला लेना हम लोग न भूलेंगे।

(*i*) यह कथन किसने, कब और क्यों कहा?

(*ii*) भारत सरकार किसे कहा गया है? वह असफल क्यों रही?

(*iii*) नाना साहब को दुर्दांत क्यों कहा गया है? अंग्रेजों को उन पर क्रोध क्यों है?

अथवा

मैं जब यह कविता पढ़ता हूँ तब मेरे सामने श्रीनिकेतन के तितल्ले पर की यह घटना प्रत्यक्ष-सी हो जाती है। वह आँख मूँदकर अपरिसीम आनंद, वह 'मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन' मूर्तिमान हो जाता है। उस दिन मेरे लिए वह एक छोटी-सी घटना थी, आज वह विश्व की अनेक महिमाशाली घटनाओं की श्रेणी में बैठ गई है। एक आश्चर्य की बात और इस प्रसंग में उल्लेख की जा सकती है।

(*i*) लेखक के सामने किसका आत्मनिवेदन मूर्तिमान हो जाता है?

(*ii*) कविता पढ़ते हुए लेखक को किसकी प्राप्ति होती है?

(*iii*) लेखक के साथ घटना कहाँ घटित हुई?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) लेखिका ने अपनी माँ में व्यक्तित्व की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

(*ii*) सर टामस 'हे' के मैना पर दया-भाव के क्या कारण रहे होंगे?

http://jsunilturorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(*iii*) लेखक के विचार में प्रेमचंद का जूता कैसे फटा होगा?

(*iv*) लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

(*v*) गुरुदेव ने शांति-निकेतन को छोड़कर कहीं और रहने का मन क्यों बनाया?

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 2

क्षितिज-अटारी गहराई दामिनी दमकी,
'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की',
बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(क) बादल कहाँ तक फैल गए थे?

(ख) बादलों के आने पर क्षितिज के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

(ग) क्या भ्रम था जो अब दूर हो गया है?

अथवा

माँ की समझाइश के बाद
दक्षिण दिशा में पैर करके मैं कभी नहीं सोया
और इससे इतना फ़ायदा ज़रूर हुआ
दक्षिण दिशा पहचानने में
मुझे कभी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ा
मैं दक्षिण में दूर-दूर तक गया
और मुझे हमेशा माँ याद आई
दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं था
होता छोर तक पहुँच पाना
तो यमराज का घर देख लेता

(क) माँ के समझाने के बाद कवि ने क्या काम कभी नहीं किया?

(ख) कवि को किस बात को करने में कभी कठिनाई नहीं हुई?

(ग) कवि यमराज का घर देखने में सफल क्यों नहीं हुआ?

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) चाँदनी का बड़ा-सा गोल खंभा में कवि की किस सूक्ष्म कल्पना का बोध होता है?

(*ii*) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

(*iii*) सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे क्यों वंचित हैं?

(*iv*) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

(*v*) कवि के अनुसार आज प्रत्येक दिशा दक्षिण दिशा क्यों बन रही है?

14. हरिवंशराय बच्चन ने लेखक को अभावग्रस्त पाया था और उसके ठीक प्रकार से इलाहाबाद में स्थापित हो जाने के लिए सहायता की थी। इनसानियत का यह अच्छा उदाहरण है। दूसरों की सहायता का अवसर मिलने प[illegible] हो सकता है? [illegible]लीभाँति सोचकर लिखिए। 5

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

खंड—घ

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200–250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) 21वीं शताब्दी का भारत

(ख) आकाशवाणी का महत्त्व

(ग) जीवन में शिक्षा का महत्त्व।

16. अपने प्रधानाचार्य को अपनी आर्थिक स्थिति बताते हुए छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए पत्र लिखिए। 5

17. चेन्नई में रिश्वत लेते हुए पकड़े गए आयकर अधिकारियों के संबंध में प्रतिवेदन लिखिए। 5